डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, करगी रोड कोटा बिलासपुर (छ.ग.)

शीर्षक–"उद्यमिता और रोजगार'

आयोजक–भाषा विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय

करगी रोड कोटा बिलासपुर (छ.ग.)

एवं

कमला नेहरू महाविद्यालय नागपुर (महाराष्ट्र)

दिनांक –09 / 08 / 2021

भाषा विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी., डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय. एवं कमला नेहरू महाविद्यालय नागपुर (महाराष्ट्र) के द्वारा "उद्यमिता और रोजगार' पर एक दिवसीय बेबीनार का आयोजन दिनांक 09 / 08 / 2021 को किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत उद्बोधन डॉ. मनीषा द्विवेदी विभागाध्यक्ष के द्वारा किया गया। उन्होंनें कहा कि उद्यमिता मानव जीवन के लिए आवश्यक है क्योंकि यह हमारे जीवन में जीवन कौशल को बढ़ावा देता है। सीखने की प्रकिया, रचनात्मकता, स्वाविवेक, स्वारोजगार को उत्प्रेरित करता है। कलासंकायाध्यक्ष डॉ. संगीता सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए और बताया कि राष्ट्र निर्माण और नैतिक कर्तव्यों से हमें उद्यमिता साक्षात्कार कराता है। मुख्य वक्ता डॉ. निरंजन कुजुर, सहायक प्राध्यापक अर्थषास्त्र शासकीय महाविद्यालय धरमजयगढ़ रायगढ़, ने उद्यमिता औद्योगिक, आर्थिक एवं सामाजिक प्रकति का आधार स्तम्भ है। उद्यमिता के सृजनषील विचार द्वारा राष्ट्र की निर्धनता, बेरोजगारी, निम्न उत्पादकता तथा आर्थिक असमानता का निवारण होता है। उद्यमिता अग्रणी गतिशील भूमिका निभाती है तथा आर्थिक प्रगति का अग्रदूत है। उद्यमी प्रवृत्तियों के द्वारा ही अमेरिका, फ्रांस, जापान, रूस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया आदि देषों ने विकास के नए–नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वर्तमान समय में उद्यमिता प्रत्येक अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रांति का मुख्य आधार बन गई है। परिणामस्वरूप प्रत्येक राष्ट्र उद्यमी प्रवृत्तियों के प्रोत्साहन के लिए अनुकूल वातावरण, नीतियों एवं कार्य पद्धतियों का निर्माण कर रहा है। उद्यमिता के द्वारा राष्ट्रीय नैसर्गिक एवं आर्थिक संसाधनों का उत्पादन कार्यो में प्रयोग, नवीन तकनीक एवं नवप्रर्वतन के साहसिक निर्णयों द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन द्वारा नई उपयोगिता का सृजन किया जा रहा है। उद्यमिता का कौशल, दृष्टिकोण, चिन्तन, तकनीक की कार्य पद्धति है। उद्यमषील, उद्यम, साहसिकता आदि शब्द उद्यमिता के पर्यायवाची के रूप में व्यक्त किए जाते हैं। सामाजिक मनोविज्ञान एवं सैन्य अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उद्यमिता का प्रयोग प्राचीन काल से होता रहा है।

आर्थिक क्षेत्र में उद्यमिता के विचार का प्रारम्भ 18वीं शताब्दी से माना जाता है। आर्थिक क्षेत्र में परम्परागत रूप से उद्यमिता का अर्थ व्यवसाय एवं उद्योग में निहित विभिन्न अनिश्चितताओं एवं जोखिम

का सामना करने की योग्यता एवं प्रवृत्ति से है। जो व्यक्ति जोखिम वहन करते है उसको साहसी तथा उद्यमी कहते है।

आधुनिक युग में उद्यमिता का अर्थ गतिशील आर्थिक वातावरण में सृजनात्मक एवं नवप्रवर्तनकारी योजनाओं एवं विचारों को क्रियान्वित करने की योग्यता से है। उद्यमी नवीन उपक्रम की स्थापना, नियंत्रण एवं निर्देषन करने के साथ–साथ परिवर्तन एवं नवप्रवर्तन भी करता है। चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो भारत सरकार द्वारा बहुत सारी योजनाए जैसे षिक्षित बेरोजगार युवकों के लिए स्वरोजगार योजना, स्वरोजगार के लिए ग्रामीण युवा प्रषिक्षण की राष्ट्रीय योजना, उन्नत बाजार किट योजना, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार योजना गारण्टी कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, रोजगार बीमा योजना, प्रधानमंत्री का एकीकृत शहरी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, आदि।

कार्यक्रम के समापन में डॉ. रेखा दुबे द्वारा सभी का आभार प्रकट किया एवं संचालन डॉ. स्नेहलता के द्वारा किया गया।

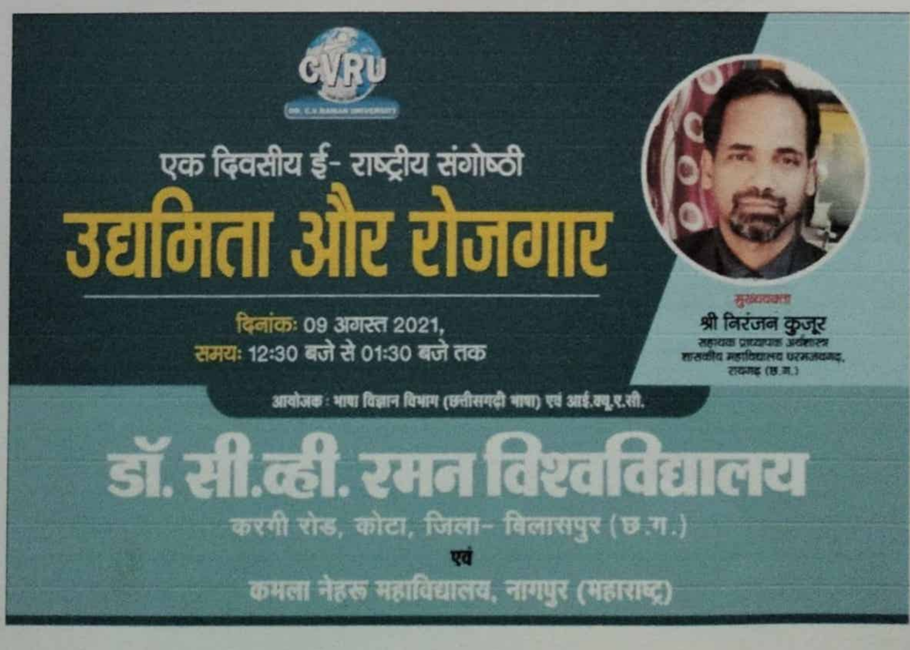

प्रतिभागियों की सूची

S.N.	Name of Participants	Course
1	Dipak Ming	MA CG
2	Raghu Bharti	MA CG
3	Manjesh	MA CG
4	Ismail Ekka	MA CG
5	Monika Mishra	MA CG
6	Vinay Verma	MA CG
7	Sampada Dubey	MA CG
8	Manisha Suman	MA CG
9	Prahlad Jaishwal	MA CG
10	Aishwarya	MA CG
11	Chandrashekhar Rajak	MA CG
12	Dipak Kumar Hathile	MA CG
13	Durga Prasad Sahu	MA CG
14	Padmeshwari	MA CG
15	Poonam Banjare	MA CG
16	Sarita Shriwas	MA CG
17	Sushma Banjare	MA CG
18	Urvashi	MA CG
19	Versha Sahu	MA CG
20	Vinita Khute	MA CG
21	Shivam Mishra	MA CG
22	Ramesh Das Manikpuri	MA CG

23	Vajindar Pal Navrang	M.A. English
24	Avish Kashyap	M.A. English
25	Chetan Patel	M.A. Hindi
26	Daisymoon Jangde	M.A. Hindi
27	Durgeshwari Dhruw	B.A.
28	Jeshnarayan Jaiswal	B.A.
29	Kaveri Singh	B.A.
30	Mamta Sahu	B.A.
31	Mukesh kumar	B.A.
32	Phukali Patre	B.A.
33	Roshan lal	B.A.
34	Suraj sahu	B.A.
35	Anamika Sahu	M.A. Sanskrit
36	Bhuneshwar Nishad	M.A. Sanskrit
37	Durga Sahu	M.A. Sanskrit
38	Dr. Ved Prakash Mishra	Faculty
39	Dr. Manisha Dwivedi	Faculty
40	Dr. Renu Shukla	Faculty
41	Dr. Surya Bhushan Dubey	Faculty
42	Dr. Sandhya Jaiswal	Faculty
43	Dr. Richa Yadaw	Faculty
44	Dr. Kajal Moitra	Faculty
45	Dr. Ram Ratan Sahu	Faculty
46	Mr. Rakesh Gupta	Faculty
47	Dr. Pratima Bais	Faculty
48	Dr. Reena Tiwari	Faculty

49	Mr. Shahid Hussain	Faculty
50	Mr. Trilokee Singh Kshatri	Faculty
51	Dr. Aanchal Shrivastava	Faculty
52	Dr. Snehlata Nirmalkar	Faculty
53	Dr. Rekha Dubey	Faculty
54	Mr. Digvijay Suman	Faculty

Associate Professor
Kamla Nehru Mahavidyalaya
Nagpur

Department of Lingustics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C. V. RAMAN UNIVERSITY
Kargi Road, Kota, Dist.- Bilaspur (C.G.)
Ph. No.07753-253801, 9617779301 Fax:07753-253728
e-mail:info@cvru.ac.in, website: www.cvru.ac.in

क्रं. /148/ भाषा विज्ञान विभाग / 2021–22 कोटा / दिनांक–04 / 08 / 2021

सूचना

अत्यंत हर्ष के साथ आप सभी को सूचित किया जाता है कि हमारे विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी., डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय. एवं कमला नेहरू महाविद्यालय नागपुर (महाराष्ट्र) के द्वारा **'उद्यमिता और रोजगार'** विषय पर दिनांक 09 / 08 / 2021 को **''एक दिवसीय बेबीनार''** का आयोजन आभासी पटल पर सुबह 12.30 बजे से किया जायेगा, जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आयोजक
डॉ. मनीषा त्रिवेदी
भाषा विज्ञान विभाग
डॉ. सी.व्ही. रमन विश्वविद्यालय,
करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

Department of Linguistics
Dr.C.V.Raman University
Kargi Road kota, Bilaspur (C.G.)